

स्नातकपरीक्षा:- २०१५

बि.ए. - विद्वन्मध्यमा - तुतीयवर्षः

शास्त्रम् - पूर्वमीमांसा

भागः - १, पत्रिका - ४

विषयः - भाट्टकौस्तुभः २

दिनाङ्कः - 4-4-2015

गरिष्ठाङ्कः - १००

समयः - 10.00 A.M. to 1.00 P.M.

Max. Marks - 100

-
- | | | |
|------|--|----|
| I. | कल्पसूत्राणां वेदमूलकत्वेन प्रामाण्यमिति कौस्तुभोक्तदिशा निरूपयत । | 20 |
| II. | भ्रान्त्यादिमूलकत्वमेव स्मृतीनां इति पक्षं भाट्टोक्तदिशा व्याकुरुत । | 15 |
| III. | कौस्तुभोक्तदिशा व्याकरणस्य अप्रामाण्यमिति पक्षं व्यवस्थापयत । | 20 |
| IV. | ग्रन्थोक्तदिशा लोकवेदाधिकरणमारचयत । | 15 |
| V. | मातुलकान्यापरिणयनस्य प्रामाण्यं वा अप्रामाण्यं वा स्पष्टयत । | 10 |
| VI. | इमानि सूत्राणि व्याकुरुत । | 20 |
| | १. अवाक्यशेषाच्च । | |
| | २. लिङ्गाभावाच्च नित्यस्य । | |
| | ३. कर्मधर्मो वा प्रवणवत् । | |
| | ४. अद्रव्य शब्दत्वात् । | |
-